Regarding restoration of Railway stoppages to pre-Covid status

श्री राजीव रंजन सिंह **?**ललन**? (**मुंगेर**):** सभापति महोदय, कोरोना काल के दौरान पूरे देश में रेल सेवाएं बंद कर दी गई थीं, लेकिन कोरोना काल के बाद जब रेल सेवा बहाल हुई तो रेल सेवा बहाल होने के बाद कोरोना काल के पहले जितने ठहराव महत्वपूर्ण स्टेशनों पर महत्वपूर्ण ट्रेनों का था, उन सभी को समाप्त कर दिया गया। कई छोटे स्टेशन और हाल्ट जहां पहले पैसेंजर्स गाड़ी रुकती थी, ईएमयू ट्रेनें रुकती थीं, उन सभी ट्रेनों को बंद कर दिया गया। मेरी जानकारी के अनुसार लगभग दस हजार ट्रेनों का ठहराव एक आदेश से रद्द कर दिया गया, जो उचित नहीं था।

मेरे निर्वाचन क्षेत्र के अंतर्गत कई महत्वपूर्ण स्टेशन हैं- बड़हिया**,** बाढ़ और अथमलगोला। इन सारे महत्वपूर्ण स्टेशनों पर जो महत्वपूर्ण ट्रेनों का ठहराव था, उसे बंद कर दिया गया। कई छोटे स्टेशन बंशीपुर, कुंदर हाल्ट पर ईएमयू और पैसेंजर्स ट्रेनें पहले रुकती थीं, उसको भी बंद कर दिया गया। इसके विरोध में वहां स्थानीय स्तर पर जन आंदोलन हो रहा है, लोग उग्र आंदोलन कर रहे हैं। रेलवे लाइन पर धरना दे रहे हैं। तीन-तीन दिन तक मेन लाइन की पूरी रेल सेवा ठप रही, उसका रूट डाइवर्ट करना पड़ा। यह सारी परिस्थिति आम लोगों के लिए परेशानी का कारण बन रही है। सुदूर हाल्ट में लोग पैसेंजर्स ट्रेनों से आते हैं। वे गरीब लोग होते हैं, वे ग्रामीण लोग हैं, जिनके पास आवागमन का कोई दूसरा साधन नहीं है।

मैं आपके माध्यम से रेल मंत्री जी से मांग करता हूं कि बड़हिया, बाढ़ और अथमलगोला में जिन महत्वपूर्ण ट्रेनों का ठहराव कोरोना काल से पहले था, छोटे स्टेशन बंशीपुर और कुंदर हाल्ट पर ईएमयू और पैसेंजर ट्रेनों का ठहराव होता था, उसको पुन: बहाल किया जाए ताकि वहां के लोगों को लाभ मिल सके।

मैंने एक दर्जन से ज्यादा पत्र माननीय रेल मंत्री जी और रेल मंत्रालय को लिखे हैं, लेकिन आज तक एक भी पत्र पर कोई कार्रवाई नहीं हुई है। मैं आपके माध्यम से रेल मंत्रालय से आग्रह करता हूं कि बड़हिया, बाड़ और अथमलगोला की सभी ट्रेनों, छोटे हॉल्ट और पैसेंजर्स ट्रेनों को पुन: बहाल किया जाए।